दैनिक भारत कि
# तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-१०५ वा | सोमवार १२ एप्रिल २०२६ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

## दिग्गज गायिका आशा भोसले का ९२ साल की उम्र में निधन

मुंबई। प्रतिनिधी

दिग्गज गायिका आशा भोसले का ९२ साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में आशा भोसले ने अंतिम सांस ली। इस बात की पुष्टि गायिका के बेटे आनंद भोसले ने खुद की है। अस्पताल के बाहर आकर उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मेरी माताजी आशा भोसले का निधन आज हो चुका है। कल सुबह ११ बजे उनके घर पर अंतिम दर्शन किए जा सकते हैं। अंतिम संस्कार कल शाम ४ बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा।

बता दें कि दिग्गज गायिका को शनिवार को अत्यधिक थकान और चेस्ट में इन्फेक्शन की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सिंगर के निधन की खबर सामने आते ही इंडस्ट्री के लोगों और फैंस ने उन्हें श्रद्धांजलि देना शुरू कर दिया है।

# अमेरिका-ईरान वार्ता पर अनिश्चितता बरकरार, अभी कोई समझौता नहीं: जेडी वेंस

रिपोर्टर: अंतरराष्ट्रीय डेस्क

वॉशिंगटन/तेहरान : अमेरिका और ईरान के बीच जारी वार्ताओं को लेकर स्थिति अब भी अनिश्चित बनी हुई है। जे. डी. वेंस ने स्पष्ट किया है कि दोनों देशों के बीच अब तक कोई अंतिम समझौता नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की ओर से एक अंतिम और सर्वश्रेष्ठ प्रस्ताव दिया गया है और अब यह ईरान पर निर्भर करता है कि वह इसे स्वीकार करता है या नहीं। वेंस के मुताबिक, अमेरिका अपनी स्थिति स्पष्ट कर चुका है और आगे की दिशा ईरान के निर्णय पर निर्भर करेगी।

दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बक़ाई ने वार्ता को गहन और गंभीर बताया है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इन बातचीतों की सफलता विरोधी पक्ष की नीयत और गंभीरता पर निर्भर करती है। ईरान का यह बयान संकेत देता है कि अभी भी कई मुद्दों पर सहमति बनना बाकी है।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है, लेकिन अभी तक किसी ठोस समझौते की घोषणा नहीं की गई है। दोनों पक्षों के बयानों से यह साफ है कि वार्ता निर्णायक दौर में पहुंच चुकी है, हालांकि मतभेद अभी भी कायम हैं।

विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह वार्ता असफल रहती है तो इसका असर वैश्विक स्तर पर देखने को मिल सकता है। खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका है, वहीं आबनाए होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर जोखिम बढ़ सकता है। इसके अलावा वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता आ सकती है, जिससे कई देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

फिलहाल दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि यह वार्ता समझौते में बदलती है या टकराव की ओर बढ़ती है।

# कांग्रेस की राजनीति प्रगतिशील विचारों पर आधारित है

## महात्मा ज्योतिबा फुले के विचार आज भी बेहद प्रासंगिक-हर्षवर्धन सपकाल

पुणे/मुंबई:

महाराष्ट्र कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने कहा है कि महात्मा ज्योतिबा फुले की सेवाएं और उनके प्रगतिशील विचार आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने उनके समय में थे। कांग्रेस पार्टी इन्हीं विचारों के आधार पर अपनी राजनीतिक लड़ाई जारी रखे हुए है।

समाजिक न्याय, समानता और सत्य की खोज पर आधारित सत्यशोधक आंदोलन की सोच को आगे बढ़ाना आज के समय की अहम जरूरत है।

फुले वाड़ा का दौरा और श्रद्धांजलि

महात्मा ज्योतिबा फुले की २००वीं जयंती के अवसर पर हर्षवर्धन सपकाल ने पुणे के ऐतिहासिक फुले वाड़ा का दौरा किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर अरविंद शिंदे, मोहन जोशी, रमेश बागवे, भानुदास माली, प्रशांत जगताप, दीप्ति चौधरी, प्राची दूधाने, अविनाश बागवे, राज अंबिके सहित अन्य कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

मीडिया से बातचीत

मीडिया से बात करते हुए हर्षवर्धन सपकाल ने कहा:

महात्मा ज्योतिबा फुले ने छत्रपति शिवाजी महाराज की समाधि की खोज और पहचान की थी।

सावित्रीबाई फुले ने पुणे में लड़कियों के लिए पहला स्कूल स्थापित कर महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण की नींव रखी।

इस क्रांतिकारी कदम का उस समय रूढ़िवादी सोच रखने वाले लोगों ने तीव्र विरोध किया था और सावित्रीबाई फुले को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा ऐसी रूढ़िवादी और प्रतिगामी सोच के खिलाफ संघर्ष करती आई है और आज भी सत्ता में ऐसे विचारधारा वाले लोग मौजूद हैं।

२०२६ - महात्मा फुले का २००वां जयंती वर्ष

हर्षवर्धन सपकाल ने घोषणा की कि वर्ष २०२६ महात्मा ज्योतिबा फुले का २००वां जयंती वर्ष है। इस अवसर पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी पूरे वर्ष राज्य भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगी ताकि सत्यशोधक विचारों को आम लोगों तक पहुंचाया जा सके।

इस क्रम में 'महात्मा फुले उत्सव समिति' का गठन किया गया है। इस समिति की योजना बनाने के लिए पुणे के कांग्रेस भवन में एक बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में भानुदास माली, मोहन जोशी, रमेश बागवे, किशोर कांहीरे, भाई नगराले, अरविंद शिंदे, दीप्ति चौधरी, गोपाल तिवारी, चंद्रशेखर कदम, प्रशांत जगताप, सुनील शिंदे, सुनील मालके, सीमा गटे, आमिर शेख, यशराज पारखी सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

बारामती उपचुनाव पर कांग्रेस का रुख

बारामती उपचुनाव के संदर्भ में हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि कांग्रेस ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। हालांकि किसी भी अन्य राजनीतिक पार्टी को समर्थन नहीं दिया गया है और पार्टी अपने सिद्धांतवादी रुख पर अडिग है।

उन्होंने अजित पवार के कथित एक्सीडेंट मामले में ऋखठ दर्ज करने और निष्पक्ष जांच की मांग दोहराई।

उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन कांग्रेस शासित राज्य कर्नाटक में मुकदमा दर्ज किया गया है और कांग्रेस लगातार उसकी फॉलो-अप कर रही है। उम्मीदवारी वापस लेने वाले दिन कर्नाटक के गृह मंत्री से संपर्क किया गया था। रोहित पवार बेंगलुरु जाकर कांग्रेस नेताओं से मिलकर कार्रवाई की मांग कर चुके हैं।

इसके बावजूद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस और अजित पवार गुट के नेता इस मुद्दे पर चुप हैं, जो राज्य के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। इस पर स्पष्टीकरण जरूरी है।

# मुस्लिम आरक्षण मोर्चे को जमात-ए-उलमा का समर्थन, १७ अप्रैल को बीड में एल्गार मार्च का आह्वान

रिपोर्टर: बीड प्रतिनिधि

बीड : राज्य सरकार द्वारा मुस्लिम समाज को दिए गए ५ प्रतिशत आरक्षण को रद्द करने के निर्णय के विरोध में १७ अप्रैल को बीड जिला कलेक्टर कार्यालय पर आयोजित एल्गार मोर्चे को दिन-ब-दिन व्यापक समर्थन मिल रहा है। इसी कड़ी में जमात-ए-उलमा, बीड ने भी इस मोर्चे को अपना समर्थन घोषित करते हुए आंदोलन को और मजबूती दी है।

जमात-ए-उलमा बीड की ओर से कहा गया है कि मुस्लिम समाज शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है, इसलिए उसके समग्र विकास के लिए आरक्षण बेहद जरूरी है। राज्य सरकार द्वारा ५ प्रतिशत आरक्षण को समाप्त करने का निर्णय अन्यायपूर्ण है और समाज की प्रगति में बाधा डालने वाला है। इसलिए इस निर्णय को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए, ऐसी मांग की गई है।

पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आरक्षण किसी भी समाज के लिए केवल सुविधा नहीं, बल्कि उसका अधिकार है। मुस्लिम समाज को न्याय दिलाने के लिए सभी को एकजुट होकर खड़ा होना समय की मांग है। इस आंदोलन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित कर समाज के अधिकारों के लिए निर्णायक संघर्ष किया जाएगा, ऐसा विश्वास व्यक्त किया गया।

साथ ही, १७ अप्रैल को होने वाले एल्गार मोर्चे में बड़ी संख्या में शामिल होकर आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया गया है। युवाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों से सक्रिय सहभागिता की अपील की गई है।

इस बीच, सकल मुस्लिम आरक्षण कृती समिति, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित इस मोर्चे को राज्यभर की विभिन्न सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं और राजनीतिक दलों का समर्थन मिल रहा है। इससे यह आंदोलन जिला स्तर से आगे बढ़कर राज्यव्यापी रूप ले सकता है।

प्रशासन भी इस स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। बढ़ते जनसमर्थन को देखते हुए १७ अप्रैल का यह एल्गार मोर्चा मुस्लिम आरक्षण की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो सकता है.

इस कार्यक्रम में दो धर्मगुरु विशेष रूप से संबोधित करेंगे। दारुल उलूम की ओर से कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई है। इस अवसर पर मुफ्ती जावेद साहब, मुफ्ती आरिफ साहब सहित अन्य धर्मगुरु भी उपस्थित रहेंगे।

# बारामती उपचुनाव में सुनेत्रा अजित पवार को शिवसंग्राम का समर्थन

## पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान डॉ. ज्योती मेटे ने की घोषणा

रिपोर्टर: बीड प्रतिनिधि

बीड : अजित पवार के दुखद और असमय निधन के बाद पूरे महाराष्ट्र में शोक की लहर फैल गई है। उनके जाने से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में बड़ी खाली जगह बन गई है। इसी बीच बारामती विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव की घोषणा की गई है, जिसमें सुनेत्रा अजित पवार उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरी हैं। उनकी उम्मीदवारी से बारामती का राजनीतिक माहौल काफी गरमा गया है।

इस पृष्ठभूमि में शिवसंग्राम ने सुनेत्रा अजित पवार को खुला समर्थन देने की घोषणा की है। शिवसंग्राम की अध्यक्षा डॉ. ज्योती विनायकराव मेटे ने आज पुणे में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी आधिकारिक घोषणा की। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय अजितदादा पवार और स्वर्गीय विनायकराव मेटे के बीच संबंध केवल राजनीतिक नहीं थे, बल्कि वैचारिक और सामाजिक स्तर पर भी बेहद मजबूत थे। उसी रिश्ते को सम्मान देते हुए यह समर्थन दिया जा रहा है।

डॉ. मेटे ने आगे कहा कि महाराष्ट्र की परंपरा सहानुभूति, प्रतिबद्धता और सामाजिक एकता की रही है। किसी जननेता के निधन के बाद उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़े रहने की संस्कृति महाराष्ट्र ने हमेशा निभाई है। इसी परंपरा का सम्मान करते हुए शिव, शाहू, फुले और आंबेडकर के प्रगतिशील विचारों पर चलने वाले अजितदादा के परिवार का साथ देना समाज का कर्तव्य है।

इस बीच बारामती उपचुनाव को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों ने अपनी गतिविधियाँ तेज कर दी हैं और चुनाव प्रचार ने गति पकड़ ली है। सुनेत्रा अजित पवार को मिल रहा बढ़ता समर्थन और सहानुभूति की लहर इस चुनाव को और अधिक रोमांचक बना सकती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शिवसंग्राम के समर्थन से उनकी उम्मीदवारी को और मजबूती मिलेगी।

कुल मिलाकर, इस उपचुनाव को केवल राजनीतिक मुकाबले के रूप में नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों की परीक्षा के रूप में भी देखा जा रहा है। इसी कारण बारामती का यह चुनाव पूरे राज्य में विशेष ध्यान आकर्षित कर रहा है।

# भारत के दामाद जे डी वेंस का गरीबी और संघर्ष से अमेरिका के उपराष्ट्रपति तक का सफ़र

न्युयोर्क एजेंसी

अमेरिका के मिडलटाउन, ओहायो के एक छोटे से औद्योगिक शहर में, जहां फैक्ट्रियां बंद हो चुकी थीं और गरीबी ने हर घर को अपनी चपेट में ले लिया था, २ अगस्त १९८४ को जे. डी. वेंस का जन्म जेम्स डोनाल्ड बोमन के रूप में हुआ। बचपन बेहद कठिन था-पिता ने घर छोड़ दिया, मां नशे की लत से जूझती रहीं, घर बार-बार बदलता रहा और हिंसा उनके जीवन का हिस्सा बन गई। उनकी परवरिश उनकी दादी ने कड़े सामाजिक माहौल में की।

लेकिन इस संघर्षपूर्ण जीवन के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। १८ साल की उम्र में उन्होंने अमेरिकी मरीन कॉर्प्स जॉइन किया और २००३ से २००७ तक इराक युद्ध में सेवा दी। सेना ने उन्हें अनुशासन, आत्मविश्वास और जीवन को नई दिशा दी।

फौज से लौटने के बाद उन्होंने ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी से स्नातक किया और फिर येल लॉ स्कूल में दाखिला लिया। एक गरीब पृष्ठभूमि से आने वाला युवक अब दुनिया के प्रतिष्ठित संस्थानों में पहुंच चुका था। यहीं उनकी मुलाकात भारतीय मूल की प्रतिभाशाली छात्रा ऊषा चिलुकुरी वेंस से हुई।

ऊषा, तेलुगु भारतीय परिवार से हैं, जिनका पालन-पोषण कैलिफोर्निया में हुआ। वे येल की टॉप छात्राओं में से थीं। उन्होंने जे डी वेंस को जीवन में दिशा और आत्मविश्वास दिया। दोनों ने २०१४ में शादी की और इसके बाद उन्होंने अपने पारिवारिक नाम वेंस को अपनाया।

येल से कानून की डिग्री लेने के बाद वे वकील बने और प्रसिद्ध निवेशक पीटर थील के साथ वेंचर कैपिटल में काम किया। २०१६ में उनकी लिखी किताब Hillbilly Elegy ने उन्हें वैश्विक पहचान दिलाई। यह किताब गरीब अमेरिकी मजदूर वर्ग की सच्ची कहानी थी, जिस पर बाद में फिल्म भी बनी।

इसके बाद २०२१ में उन्होंने राजनीति में कदम रखा और २०२२ में ओहायो से सीनेटर चुने गए। २०२४ में डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें अपना उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया। २० जनवरी २०२५ को मात्र ४१ वर्ष की आयु में जे डी वेंस अमेरिका के ५०वें उपराष्ट्रपति बन गए।

यह कहानी सिर्फ गरीबी की नहीं, बल्कि हिम्मत, दृढ़ संकल्प और सही फैसलों की है। जे डी वेंस ने परिस्थितियों को बहाना नहीं बनाया, बल्कि उन्हें अपनी ताकत बना लिया। उन्होंने साबित कर दिया कि अगर इंसान ठान ले तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

ऊषा वेंस का परिचय:

ऊषा चिलुकुरी वेंस एक भारतीय मूल की प्रतिष्ठित वकील हैं। उनका तालुक तामील नाडु के एक मशहूर ब्रहमन खानदान से है! वे अमेरिका की सेकंड लेडी बनीं और इस पद पर पहुंचने वाली पहली भारतीय मूल की और पहली हिंदूसतानी महिला हैं। वे तीन बच्चों की मां हैं और अपने परिवार तथा पति के सफर में एक मजबूत सहारा रही हैं।

# गेवराई में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान को मिला उत्साहपूर्ण प्रतिसाद

## कांग्रेस नेतृ नीतू वर्मा और एम. एम. शेख ने किया मार्गदर्शन

रिपोर्टर: काज़ी अमान, गेवराई

**गेवराई : अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी की ओर से देशभर के विभिन्न राज्यों में संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत बीड जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा शनिवार, १२ अप्रैल २०२६ को गेवराई शहर में नए बस स्टैंड के सामने स्थित केंद्रीय कार्यालय में संगठन सृजन अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान को गेवराई में उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला। इस कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में कांग्रेस की केंद्रीय प्रभारी नीतू वर्मा और सह-प्रभारी, पूर्व विधायक एम. एम. शेख ने महत्वपूर्ण मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत क्रांतिसूर्य महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई।**

नीतू वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस पार्टी का संगठन मजबूत करना और नई नियुक्तियों के माध्यम से पार्टी को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाना है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संगठन को मजबूत करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं और अब पार्टी पूरी तरह एक्शन मोड में है। जमीनी स्तर पर लोगों से संवाद कर संगठन को मजबूती दी जाएगी।

वहीं, सह-प्रभारी एम. एम. शेख ने कहा कि आने वाले समय में कांग्रेस हर कार्यकर्ता को मजबूत करेगी और सामान्य लोगों को भी संगठन में

महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जाएंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में कांग्रेस ही एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरेगी।

कार्यक्रम की प्रस्तावना देते हुए गेवराई तालुका कांग्रेस अध्यक्ष महेश बेदरे ने कहा कि आने वाले समय में कांग्रेस का संगठन घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा को आम जनता तक पहुंचाकर गेवराई में फिर से पार्टी के सुनहरे दिन लाए जाएंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी नेतृत्व के हर निर्देश का पालन करते हुए पुराने और नए सभी कार्यकर्ताओं को साथ लेकर पूरे तालुका को कांग्रेसमय बनाया जाएगा।

इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की राय भी सुनी गई तथा मान्यवरों ने उन्हें मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में संगठन सृजन अभियान की बीड जिला प्रमुख नीतू वर्मा, एम. एम. शेख, सुरेंद्र गोडजकर, जिला उपाध्यक्ष प्रवीण कुमार शेप, बाळासाहेब ठोंबरे, फरीद देशमुख, बीड तालुका अध्यक्ष गणेश बजगुडे, दत्ता कांबळे, रमेश सानप, सुनील नागरगोजे, तालुका उपाध्यक्ष मनोहर चालके, भारत ढवारे, उमर शेख, जुनेद बागवान, सय्यद सिराज, गणेश कोल्हे, बाळासाहेब साबळे, राजाराम पवार सहित सैकड़ों पदाधिकारी, कार्यकर्ता और पत्रकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन तालुका अध्यक्ष महेश बेदरे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन सय्यद सिराज ने किया।

# बालकों के मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण समझौता

स्वास्थ्य विभाग की पहल

रिपोर्टर: विशेष प्रतिनिधि

मुंबई : राज्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए एकलव्य फाउंडेशन फॉर मेंटल हेल्थ, पुणे के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया है।

यह समझौता एकलव्य फाउंडेशन फॉर मेंटल हेल्थ, पुणे के साथ किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य के सभी जिलों में केयरगिवर-आधारित सेल्फ हेल्प ग्रुप्स के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना है। ऑफलाइन और डिजिटल माध्यमों के जरिए मरीजों और उनके परिवारों को सहयोग देना, जागरूकता बढ़ाना और मानसिक बीमारियों से जुड़े कलंक को कम करना इस पहल का प्रमुख लक्ष्य है।

यह कार्यक्रम जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के समन्वय से लागू किया जाएगा।

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग की पहल से किया गया यह समझौता अगले तीन वर्षों तक प्रभावी रहेगा। इससे राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था में गुणवत्ता, उपलब्धता और समावेशिता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इस अवसर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश आबिटकर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाना पटोले, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव डॉ. निपुण विनायक, स्वास्थ्य सेवा आयुक्त एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान के संचालक डॉ. कादंबरी बलकवडे, उपसचिव विलास बेंद्रे तथा एकलव्य फाउंडेशन के संस्थापक-संचालक डॉ. प्रा. अनिल वर्तक, उपाध्यक्ष प्राची बर्वे, सचिव स्मिता गोडसे, मंजिरी चव्हाण सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे, जिनकी मौजूदगी में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

# भारत के दामाद जे डी वेंस का गरीबी और संघर्ष से अमेरिका के उपराष्ट्रपति तक का सफ़र

न्युयोर्क एजेंसी

अमेरिका के मिडलटाउन, ओहायो के एक छोटे से औद्योगिक शहर में, जहां फैक्ट्रियां बंद हो चुकी थीं और गरीबी ने हर घर को अपनी चपेट में ले लिया था, २ अगस्त १९८४ को जे. डी. वेंस का जन्म जेम्स डोनाल्ड बोमन के रूप में हुआ। बचपन बेहद कठिन था-पिता ने घर छोड़ दिया, मां नशे की लत से जूझती रहीं, घर बार-बार बदलता रहा और हिंसा उनके जीवन का हिस्सा बन गई। उनकी परवरिश उनकी दादी ने कड़े सामाजिक माहौल में की।

लेकिन इस संघर्षपूर्ण जीवन के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। १८ साल की उम्र में उन्होंने अमेरिकी मरीन कॉर्प्स जॉइन किया और २००३ से २००७ तक इराक युद्ध में सेवा दी। सेना ने उन्हें अनुशासन, आत्मविश्वास और जीवन को नई दिशा दी।

फौज से लौटने के बाद उन्होंने ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी से स्नातक किया और फिर येल लॉ स्कूल में दाखिला लिया। एक गरीब पृष्ठभूमि से आने वाला युवक अब दुनिया के प्रतिष्ठित संस्थानों में पहुंच चुका था। यहीं उनकी मुलाकात भारतीय मूल की प्रतिभाशाली छात्रा ऊषा चिलुकुरी वेंस से हुई।

ऊषा, तेलुगु भारतीय परिवार से हैं, जिनका पालन-पोषण कैलिफोर्निया में हुआ। वे येल की टॉप छात्राओं में से थीं। उन्होंने जे डी वेंस को जीवन में दिशा और आत्मविश्वास दिया। दोनों ने २०१४ में शादी की और इसके बाद उन्होंने अपने पारिवारिक नाम वेंस को अपनाया।

येल से कानून की डिग्री लेने के बाद वे वकील बने और प्रसिद्ध निवेशक पीटर थील के साथ वेंचर कैपिटल में काम किया। २०१६ में उनकी लिखी किताब कळश्रश्र-लळश्रश्रू एश्रशसू ने उन्हें वैश्विक पहचान दिलाई। यह किताब गरीब अमेरिकी मजदूर वर्ग की सच्ची कहानी थी, जिस पर बाद में फिल्म भी बनी।

इसके बाद २०२१ में उन्होंने राजनीति में कदम रखा और २०२२ में ओहायो से सीनेटर चुने गए। २०२४ में डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें अपना उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया। २० जनवरी २०२५ को मात्र ४१ वर्ष की आयु में जे डी वेंस अमेरिका के ५०वें उपराष्ट्रपति बन गए।

यह कहानी सिर्फ गरीबी की नहीं, बल्कि हिम्मत, दृढ़ संकल्प और सही फैसलों की है। जे डी वेंस ने परिस्थितियों को बहाना नहीं बनाया, बल्कि उन्हें अपनी ताकत बना लिया। उन्होंने साबित कर दिया कि अगर इंसान ठान ले तो कोई भी मंजिल दूर नहीं होती।

ऊषा वेंस का परिचय:

ऊषा चिलुकुरी वेंस एक भारतीय मूल की प्रतिष्ठित वकील हैं। उनका तालुक तामील नाडु के एक मशहूर ब्रहमन खानदान से है! वे अमेरिका की सेकंड लेडी बनीं और इस पद पर पहुंचने वाली पहली भारतीय मूल की और पहली हिंदू महिला हैं। वे तीन बच्चों की मां हैं और अपने परिवार तथा पति के सफर में एक मजबूत सहारा रही हैं।

# प्रदीप माने की शिवसेना बीड विधानसभा संघटक पद पर नियुक्ति

बीड, प्रतिनिधि : शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे तथा धर्मवीर आनंद दिघे के आशीर्वाद से, शिवसेना के मुख्य नेता एवं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के मार्गदर्शन में बीड विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रदीप माने को संघटक पद पर नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति शिवसेना के सचिव संजय मोरे, मराठवाड़ा संपर्क प्रमुख तथा राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर, विभागीय सचिव अशोक पटवर्धन, बीड लोकसभा संपर्क प्रमुख मनोज शिंदे तथा शिवसेना जिला प्रमुख अनिल जगताप के निर्देशानुसार की गई है।

दिनांक ९ अप्रैल २०२६ को प्रकाश आबिटकर के हाथों प्रदीप माने को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं और बीड में शिवसेना संगठन को और अधिक मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

# ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नेतन्याहू का बड़ा बयान, कार्रवाई की चेतावनी

यरुशलम एजेंसी

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई मिसाइल उत्पादन और परमाणु कार्यक्रम को जमीन के गहराई में छिपाने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि अमेरिकी बी-२ जैसे उन्नत विमान भी वहां तक न पहुंच सकें।

उन्होंने कहा, हम चुपचाप खड़े नहीं रह सकते थे। ईरान में अब भी ४०० किलोग्राम से अधिक संवर्धित यूरेनियम मौजूद है। इसे या तो कूटनीतिक प्रक्रिया के जरिए या फिर बल प्रयोग के माध्यम से हटाया जाएगा।

नेतन्याहू का यह बयान ऐसे समय में आया है जब इजरायल और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परमाणु कार्यक्रम को लेकर चिंता बनी हुई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के बयान क्षेत्र में तनाव को और बढ़ा सकते हैं, हालांकि कूटनीतिक प्रयास भी समानांतर रूप से जारी हैं।

अगर चाहें तो मैं इसे उर्दू न्यूज़ रिपोर्ट या ब्रेकिंग न्यूज़ फॉर्मेट में भी तैयार कर सकता हूँ।

# मुस्लिम आरक्षण मोर्चे को समर्थन: सांसद बजरंग सोनवणे का ऐलान

बीड संवाददाता

महाराष्ट्र: सकल मुस्लिम आरक्षण कृती समिति महाराष्ट्र की ओर से १७ अप्रैल २०२६ को आयोजित मुस्लिम आरक्षण मोर्चे के संबंध में सांसद बजरंग सोनवणे ने अपना खुला समर्थन जताया है।

अपने बयान में उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज की शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक प्रगति के लिए आरक्षण की मांग पूरी तरह जायज़ है और सामाजिक समानता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने आगे कहा कि शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से निकाला जाने वाला यह मोर्चा सरकार का ध्यान इस महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर आकर्षित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

सांसद का कहना था कि उन्हें विश्वास है कि इस आंदोलन के माध्यम से मुस्लिम समाज की जायज़ मांगों को न्याय मिलेगा और सरकार इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाएगी।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वे इस आंदोलन और मोर्चे का पूर्ण समर्थन करते हैं और इसके उद्देश्यों को उचित मानते हैं।

राजनीतिक हलकों के अनुसार, इस बयान को महाराष्ट्र में चल रही आरक्षण की बहस के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण विकास के रूप में देखा जा रहा है।

जागतिक आरोग्य दिवस और डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती के अवसर पर बीड शहर पुलिस दल की ओर से आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच एवं उपचार शिविर में अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के बीड जिलाध्यक्ष पठाण अमरजान का स्वागत करते हुए पुलिस निरीक्षक शीतल कुमार बल्लाल दिखाई दे रहे हैं।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com